सत्यमेव जयते

AMNESTY SCHEME 2025

Employees' State Insurance Corporation

Applicable for cases filed up to 31 st March 2025

1st October 2025 – 30th September 2026

Why This Scheme?

- A one–time opportunity to **settle long–pending cases** under the ESI Act, 1948.
- Minimise litigation and decrease **legal expendiutre.**
- Promote **trust and goodwill** among ESIC, employers, and insured persons.

Who Can Benefit?

- **Employers:** Pending disputes under Sec. 75, 82, 85, 85A of the ESI Act and Article 226 of the constitution of India.
- **Employees/Insured Persons:** Cases under Sec. 84 (excess benefit refund).
- **Units:** Non–submission of returns, late declarations, or minimum dues in old cases.

How to Apply

- **For more help Visit:** Nearest Regional / Sub–Regional Office (RO/SRO).
- **Submit request** with required records & undertaking.
- **Call:** Toll–Free Helpline: **1800–11–2526**

What Does It Cover?

- **Dispute of Coverage:** Pay contribution + interest; no damages.
- Minimum 30% in the absence of relevant records.
- **Disputed Levy of Damages:** Pay just 10% of the damages if contribution and interest already paid.
- **Withdrawal of Prosecution:** Sections 84, 85 & 85A cases, subject to compliance.
- **Old Cases:** > 15 years, dues < ₹25,000, eligible for closure.
- **Late Returns/Declarations:** will be accepted only after compliance.

Benefits of Joining

- Relief from **prolonged litigation.**
- **Exemptiom on significant damages** in most cases.
- **Transparent & fair** settlement process.
- Cases resolved within **6 months.**
- Peace of mind for employers & workers.

FOLLOW US ON

(SCAN QR CODE)

Don't miss this chance Resolve disputes today, secure tomorrow!

esic.gov.in @esichq @esichq @esichq @esichq @esichq @esichq

सत्यमेव जयते

एमनेस्टी योजना 2025

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

31 मार्च 2025
तक दर्ज मामलों पर लागू

01 अक्टूबर 2025 – 30 सितम्बर 2026

क्यों लाई गई यह योजना?

- कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के तहत लंबे समय से **लंबित मामलों को निपटाने** का एकमात्र अवसर।
- मुकदमेबाजी घटेगी और **कानूनी खर्चों** में बचत होगी।
- क.रा.बी. निगम, नियोक्ताओं और बीमाकृत व्यक्तियों के बीच **विश्वास और सौहार्द** को बढ़ावा।

किसे मिलेगा लाभ?

- **नियोक्ताओं (Employers) को:** क.रा.बी. अधिनियम की धाराएं 75, 82, 85, 85ए एवं भारतीय संविधान के अनुच्छेद 226 के अंतर्गत वाले विवादों में।
- **कर्मचारियों / बीमाकृत व्यक्तियों (Employees / Insured Persons):** धारा 84 के अधीन मामलों में (अधिक भुगतान वापसी)।
- **इकाइयों को:** रिटर्न जमा न करने, देरी से घोषणा पत्र जमा करने या पुराने मामलों में मामूली बकायों में।

आवेदन कैसे करें?

- अधिक सहायता/जानकारी के लिए अपने नजदीकी क्षेत्रीय / उप-क्षेत्रीय कार्यालय (RO/SRO) में संपर्क करें ।
- आवश्यक दस्तावेज़ एवं भविष्य में अनुपालन का वचन पत्र जमा करें।
- **कॉल करें:** टोल-फ्री हेल्पलाइन: **1800-11-2526**

योजना में क्या शामिल है?

- **व्याप्ति के विवाद (Dispute of Coverage):** अंशदान + ब्याज का भुगतान करें; कोई हर्जाना नहीं।
- **अंशदान विवाद (Dispute of Contribution):** सुसंगत दस्तावेज न होने पर न्यूनतम 30% का भुगतान।
- **हर्जानों का विवाद (Disputed Levy of Damages):** यदि अंशदान और ब्याज पहले ही जमा, तो केवल 10% हर्जाने का भुगतान।
- **अभियोजन की वापसी (Withdrawal of Prosecution):** धारा 84, 85 एवं 85ए के मामले, अनुपालनाधीन।
- **पुराने मामले (Old Cases):** 15 वर्ष से अधिक पुराने एवं ₹25,000 से कम बकाया वाले मामले बंद किए जा सकते हैं।
- **विलंबित रिटर्न/घोषणा (Late Returns/ Declarations):** अनुपालन पश्चात् मामले को बंद कर सकते हैं।

योजना से जुड़ने के लाभ

- **लंबित मुकदमों** से राहत।
- अधिकांश मामलों में **भारी हर्जानों से छूट।**
- **पारदर्शी एवं न्यायपूर्ण** निपटान प्रक्रिया।
- मामले **6 महीने** के भीतर निपटाए जाएंगे।
- नियोक्ताओं एवं कामगारों को मानसिक शांति।

(क्यूआर कोड स्कैन करें)

हमें फॉलो करें

इस अवसर को छूटने न दें, आज ही विवादों का समाधान करें, कल को सुरक्षित बनाएं!

esic.gov.in @esichq @esichq @esichq @esichq @esichq @esichq